सेंट एंड्र्यूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनिति अपार्टमेंट, पटपडगंज,

दिल्ली – ११००९२ **सत्र: २०२५-२०२६**

कक्षा-८ विषय – (हिंदी पाठ्यपुस्तक) पाठ-१

1.मौखिक कौशल

क)कवि ने संसार को घर कहा है।

ख)कवि को मानवता का अभिमान है।

ग)कवि ने आदमी को अपना आराध्य माना है।

घ)धरती स्वर्ग से भी ज्यादा सुकुमार है।

लिखित कौशल

(क) कवि के अनुसार जहाँ प्रेम है, वहीं ईश्वर हैं। अर्थात् ईश्वर सभी के हृदय में निवास करते हैं। कवि का कहना है कि पुस्तकों में स्याही से लिखी धर्म की व्याख्या उन्हें स्वीकार नहीं है। इसलिए उन्होंने अपने धर्म को 'स्याही' और शब्दों का 'गुलाम' नहीं माना है।

(ख) घट-घट में राम कहकर कवि भगवान के प्रति अपना भक्ति भाव व्यक्त करना चाहते हैं। उनका मानना है कि भगवान राम तो संसार के कण-कण में बसे हैं।

(ग) 'जियो और जीने दो' के लिए कवि आपस में प्यार बाँटने को कहते हैं।

(घ) मानवता का मार्ग सर्वश्रेष्ठ है क्योंकि इस मार्ग पर चलकर ही हम दूसरों के प्रति प्रेम, त्याग, सहयोग एवं समर्पण का भाव रख सकते हैं और समाज एवं संसार को उन्नति की ओर ले जा सकते हैं।

2.(क) कवि मानवता को सर्वोपरि मानते हैं। उनके अनुसार कोई मनुष्य कहीं भी, कैसे ही रहे उन्हें प्रत्येक मनुष्य से प्यार है। उन्हें मानवता पर गर्व है क्योंकि वे देवत्व से ज्यादा मानवता को अच्छा मानते हैं। कवि के कहने का भावार्थ यही है कि संसार में मानवता से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

(ख) कवि कहता है कि मैं 'जियो और जीने दो' का संदेश देता हूँ और एक-दूसरे से जितना प्यार बाँट सको उतना प्यार बाँटों यदि हँसो तो इस तरह हँसो कि तुम्हारे साथ कमजोर वर्ग भी हँसे अर्थात् समाज में ऐसे काम करो कि सबका विकास हो और ऐसे आगे बढ़ो जिससे किसी दूसरे को तकलीफ न हो।

मूल्यपरक प्रश्न

1.'वसुधैव कुटुंबकम' का अर्थ है विश्व एक परिवार है। कवि गोपालदास 'नीरज' ने इस कविता में इसी सिद्धांत के बारे में चर्चा की है। उनके अनुसार सारा संसार एक परिवार है और हमें बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक मनुष्य से प्यार करना चाहिए और मानवता को सर्वोपरि मानना चाहिए।

2.'जियों और जीने दो' का सिद्धांत कहता है कि स्वयं भी आजादी से जियो और दूसरों को भी जीवन जीने की स्वतंत्रता दो। चूंकि सारा संसार एक परिवार है अतः सभी को जीने का समान अधिकार है।